॥ अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ॥

# North Maharashtra University, Jalgaon

## Syllabus For

## M. A. Part II

# HINDI

**( W.e.f. June,2003 )**

[Page 1 to 28]

# उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

( नया पाठ्यक्रम - जून 2003 से आरंभ )

## एम.ए. द्वितीय वर्ष - हिंदी

**प्रश्नपत्र क्र 5 - सामान्य स्तर : आधुनिक काव्य ।**

**उद्देश्य :-** 1) आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों से परिचित कराना ।
2) आधुनिक काल के महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य, नई कविता आदि विधाओं की प्रवृत्तियों का एवं उनके तात्विक स्वरूप का ज्ञान कराना तथा इन विधाओं के विकासक्रम से परिचित कराना ।
3) विधाओं के विकास के परिप्रेक्ष्य में उनके अध्ययन तथा समीक्षात्मक आस्वादन की दृष्टि विकसित कराना ।

**पाठ्यपुस्तकें :-**

1) कामायनी :- जयशंकर प्रसाद । ( श्रद्धा, लज्जा और इडा सर्ग )
प्रकाशक - भारती भंडार, इलाहाबाद ।
2) विश्वकर्मा :- प्रभाकर माचवे ।
प्रकाशक - भारतीय साहित्य प्रकाशन, 286, चाणक्य पुरी, सदर, मेरठ, पीन कोड - 250001.
3) अंधा युग - धर्म वीर भारती ।
प्रकाशक - किताब महल, इलाहाबाद.
4) तार सप्तक - सं. अज्ञेय ।
प्रकाशक - भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली
निम्नलेखित कवि एवं उनकी कविताएँ -

i) गजानन माधव मुक्तिबोध -
कविताएँ - 1) आत्मा के मित्र मेरे 2) दूर तारा 3) मृत्यु और कवि
4) पूँजीवादी समाज के प्रति 5) एक आत्म - वक्तव्य ।

ii) भारत भूषण अग्रवाल
कविताएँ - (1) जीवन धारा (2) फूटा प्रभात (3) प्रत्यावर्तन
(4) विदा वेला (5) आनेवालों से एक सवाल ।

iii) गिरिजाकुमार माथुर
कविताएँ - (1) नया कवि (2) दो पाटों की दुनिया (3) असिद्ध की व्यथा
(4) पृथ्वी कल्प - इतिहास (5) छाया मत छूना ।

iv) अज्ञेय -
कविताएँ - (1) सावन मेघ (2) आज मैं पहचानता हूँ (3) बाहों मेरे रुके रहे ।
(4) बदली के बाद 5) सवेरे उठा तो ।

5) मिट्टी की बारात - शिवमंगलसिंह 'सुमन'
प्रकाशक -- राजकमल प्रकाशन, 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली ।

निम्नलिखित कविताएँ :-

(1) आषाढ़ का पहला दिवस (2) चैती चाव (3) मिट्टी की संवेदना
(4) नयी सृष्टि का संवत्सर (5) महाप्राण के महाप्रयाण पर (6) सृजन की चुनौती
(7) पावन पल (8) सूनी साँझ (9) फकत (10) कसाई खाना (11) युग पुरुष
(12) गांधी शताब्दी (13) फौलाद ढले (14) सिपाही का पत्र (15) ज्योति पर्व ।

संदर्भ ग्रंथ :-


1) कामायनी कला और दर्शन :- राममूर्ति त्रिपाठी । प्रकाशक - साहित्य भवन, इलाहाबाद
2) कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन :- डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना ।
3) कामायनी मूल्यांकन और मूल्यांकन - डॉ.इंद्रनाथ मदान - प्रकाशक निलाभ, इलाहाबाद
4) कामायनी दर्शन - कन्हैयालाल सहल । प्रकाशक आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली
5) कामायनी एक पुनर्विचार - गजानन माधव मुक्तिबोध । प्र. हिमांशु प्रकाशन, जबलपुर
6) कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ - डॉ. नगेंद्र ।
7) हिंदी के प्रगतिशील और समकालीन कवि - डॉ. रणजीत ।
प्रकाशक - साहित्य रत्नाकर, कानपुर ।
8) नयी कविता की प्रबंध चेतना - डॉ. महावीर सिंह चौहान ।
प्रकाशक - गिरनार प्रकाशन, महेसाना, गुजरात ।
9) नयी कविता में आक्रोश - श्रीमती पुष्पा भार्गव ।
प्रकाशक - विवेक पब्लिशिंग हाऊस, जयपुर ।
10) धर्मवीर भारती - व्यक्ति और साहित्यकार - डॉ.पुष्पा वास्कर ।
प्रकाशक - अलका प्रकाशन, नागपुर ।
11) धर्मवीर भारती - सं लक्ष्मणदत्त गौतम । कुमार प्रकाशन, नई दिल्ली
12) धर्मवीर भारती - साहित्य के विविध आयाम - डॉ.हुकुमचंद राजपाल ।
13) धर्मवीर भारती का साहित्य - सृजन के विविध रंग - डॉ. चंद्रभानु सोनवणे ।
प्रकाशक - पंचशील प्रकाशन, जयपुर
14) हिंदी कविता तीन दशक - डॉ. कैलाश मिश्र । विनय प्रकाशन, कानपुर
15) धर्मवीर भारती चिंतन और अभिव्यक्ति - डॉ.हरिवंश पाण्डेय । अतुल प्रकाशन, कानपुर ।
16) तार सप्तक के कवि - काव्यशिल्प के मान - कृष्णलाल । साहित्य प्रकाशन, दिल्ली ।
17) अज्ञेय की काव्य चेतना - डॉ. कृष्ण भावुक । साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
18) अज्ञेय की कविता : एक मूल्यांकन - डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर ।
19) अज्ञेय कवि - ओमप्रकाश अवस्थी ।
20) गजानन माधव मुक्तिबोध जीवन और काव्य - डॉ. महेश भटनागर ।
प्रकाशक - राजेश प्रकाशन, दिल्ली ।
21) मुक्तिबोध की काव्यभाषा - डॉ. सनतकुमार । चिंतन प्रकाशन, कानपुर ।
22) मुक्तिबोध का रचना संसार - डॉ. गंगाप्रसाद विमल ।
23) गिरिजाकुमार माथुर के काव्य की बनावट और बुनावट - मधु माहेश्वरी ।
24) नये कवि - एक अध्ययन (भाग दो) - डॉ. संतोषकुमार तिवारी ।
25) सुमन : मनुष्य और स्रष्टा -
सामाईक पब्लिकेशन, 3543, जटवाडा, दर्यागंज, नई दिल्ली -2

## प्रश्नपत्र 6 : विशेष स्तर : भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा

**उद्देश्य :-**

1) भाषा विज्ञान की नव्यतम शाखा के अध्ययन के साथ-साथ हिंदी भाषा के गठन और व्यवहार को समझना ।
2) हिंदी भाषा के उद्भव और विकास को समझना ।
3) हिंदी की विभिन्न बोलियो का परिचय प्राप्त करना ।
4) देवनागरी लिपि का मानक रूप समझना और प्रयोग कराना ।

पाठ्यक्रम :-

1) भारत में भाषा विज्ञान के अध्ययन का परंपरागत स्वरूप ।

2) भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ एवं स्वरूप भाषा विज्ञान की उपशाखाएँ - कोश विज्ञान, समाज भाषा विज्ञान, लिपि विज्ञान, मनोभाषा विज्ञान, भाषा भूगोल का संक्षिप्त परिचय ।

3) स्वन एवं स्वनिम विज्ञान - स्वन का स्वरूप, स्वन का उत्पादन, संवहन और ग्रहण, वागवयव और उच्चारण प्रक्रिया, स्वनों का वर्गीकरण, स्वर और व्यंजन, स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ , स्वनिम का स्वरूप, स्वनिम का निर्धारण, स्वनिम के भेद, ध्वन्यात्मक प्रतिलेखन ।

4) रूप एवं रूपिम विज्ञान - रूप (पद) की परिभाषा, संबंध तत्व और उसके भेद, धातु, प्रातिपदिक और पद, रूपिम का स्वरूप, रूपिम के भेद, रूप स्वनिम विज्ञान ।

5) वाक्य विज्ञान - वाक्य का स्वरूप, अभिहितान्वयवाद (पक्ष वाद) और अन्विताभिधानवाद (व क्यवाद ) वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण ,निकटस्थ अवयव विश्लेषण ।

6) अर्थ विज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ बोध के बाधक तत्व, अर्थ प्रतीति, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ ।

7) प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं का स्थूल परिचय
प्राचीन भारतीय आर्यभाषा - वैदिक और लौकिक संस्कृत, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा - क) पालि ख) प्राकृत - प्राकृत के प्रमुख भेद ग) अपभ्रंश विशेषताएँ और प्रमुख भेद - शौरसेनी, मागधी, अर्द्धमागधी, महाराष्ट्री ।

8) हिंदी की बोलियाँ - वर्गीकरण तथा सामान्य परिचय, खड़ीबोली, ब्रज, अवधी, दक्खिनी हिंदी का ध्वन्यात्मक और पदात्मक संक्षिप्त परिचय

9) हिंदी शब्द निर्माण - उपसर्ग, प्रत्यय, समास ।

10) हिंदी भाषा का व्याकरण - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, लिंग, वचन एवं कारक का सोदाहरण परिचय ।

11) देवनागरी लिपि - विशेषताएँ, देवनागरी लिपि का मानक रूप, वर्गणक की दृष्टि से देवनागरी लिपि की उपादेयता ।

संदर्भ ग्रंथ :-


1 आधुनिक भाषा विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
2) हिंदी भाषा का उद्भव और विकास - डॉ. उदयनारायण तिवारी
3) हिंदी : उद्भव, विकास और रूप - डॉ. हरदेव बाहरी
4) हिंदी भाषा का परिचय - बिन्दु माधव मिश्र , राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
5) भाषिकी हिंदी भाषा तथा भाषा शिक्षण - डॉ. अम्बादास देशमुख - अतुल प्रकाशन, कानपुर
6) आधुनिक भाषाविज्ञान - डॉ. केशवदत्त रुवाली - अल्मोड़ा बुक डेपो, अल्मोड़ा
7) मुक्तबोध भाषा विज्ञान - डॉ. रामेश्वर दयालु अग्रवाल, साधना प्रकाशन, मेरठ.
8) समाज भाषा विज्ञान की भूमिका - डॉ. तेजपाल चौधरी, पंचशील प्रकाशन, जयपुर
9) हिंदी भाषा विज्ञान - डी. डी शर्मा - अशोक प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली
10) भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव त्रिवेदी - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11) भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा एवं दीप्ति शर्मा - राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
12) भाषा और भाषा विज्ञान - डॉ. तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर

## प्रश्नपत्र 7 : विशेषस्तर - हिन्दी साहित्य का इतिहास

**उद्देश्य :-**

1) युगीन परिस्थितियों के संदर्भ में साहित्य के इतिहास के काल विभाजन और नामकरण की जानकारी देना ।

2) आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल और आधुनिक काल की प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों की जानकारी तथा प्रमुख प्रतिनिधि कवियों एवं गद्यकारों की रचनाओं का साहित्यिक परिचय देना ।

**पाठ्यक्रम :-**

(अ) आदिकाल :-

1) हिन्दी साहित्य का काल विभाजन और नामकरण के आधार, भाषा साहित्य, प्रथम साहित्यकार ।
2) आदिकाल के विविध नाम - चारणकाल, सिध्द सामंत काल, वीरगाथाकाल और नामकरण के आधार ।
3) आदिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक और साहित्यिक परिस्थितियाँ और उनका साहित्य पर प्रभाव .
4) रासो साहित्य परंपरा - रासो शब्द के अर्थ, रासो के प्रकार, पृथ्वीराज रासो की कथ्यगत और शैलीगत विशेषताएँ ।
5) अपभ्रंश साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ और उनका हिन्दी साहित्य पर प्रभाव
6) सिध्द साहित्य का परिचय और उसकी प्रमुख प्रवृत्तियाँ
7) नाथपंथी साहित्य की विषय और शैलीगत प्रवृत्तियाँ
8) गोरखनाथ, विद्यापति और अमीर खुसरो का साहित्यिक परिचय .

(आ) **भक्तिकाल** :-

9) भक्ति आंदोलन का सामान्य परिचय और विविध संप्रदाय
( इस पर परीक्षा में प्रश्न नही पूछे जायेंगे )
10) भक्तिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक, साहित्यिक परिस्थितियाँ और उनका साहित्य पर प्रभाव .
11) निर्गुण भक्तिसाहित्य की प्रवृत्तियाँ, निर्गुण भक्तिमार्ग के दो भेद - प्रेममार्ग एवं ज्ञानमार्ग - दोनों की परंपरा एवं प्रमुख प्रवृत्तियाँ
12) ज्ञानमार्ग के प्रतिनिधि कवि कबीर का साहित्यिक परिचय
13) प्रेममार्ग के प्रतिनिधि कवि जायसी का साहित्यिक परिचय
14) सगुण भक्ति साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सगुण भक्तिमार्ग के दो भेद - रामभक्ति एवं कृष्णभक्ति, दोनों की परंपरा एवं प्रवृत्तियाँ .
15) रामभक्ति साहित्य के प्रतिनिधि कवि तुलसीदास का साहित्यिक परिचय

16) कृष्णभक्ति साहित्य के प्रतिनिधि कवि - रसखान, सूर और मीरा का साहित्यिक परिचय

17) नीतिकवि रहीम का साहित्यिक परिचय

(ई) रीतिकाल :-

18) रीतिकाल के विविध नाम और उनके आधार

19) रीतिकालीन सामाजिक, धार्मिक, राजनितिक और साहित्यिक परिस्थितियाँ और उनका साहित्य पर प्रभाव

20) रीतिकालीन साहित्य की विषय और शैलीगत प्रवृत्तियाँ

21) रीतिबद्ध रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधाराओं का परिचय

22) आचार्यत्व और कवित्व की परंपरा

23) रीतिकालीन कवियों का साहित्यिक परिचय - केशवदास, देव, चिंतामणि, भिखारीदास, बिहारी, घनानंद, भूषण, सेनापति, मतिराम, पद्माकर

(उ) आधुनिक काल :-

24) परिस्थितियाँ - सामाजिक, धार्मिक, राजनितिक, आर्थिक, साहित्यिक परिस्थितियाँ एवं उनका साहित्य पर प्रभाव

25) उपन्यास विधा का विकास - प्रेमचन्द पूर्व युग, प्रेमचन्द युग, प्रेमचन्दोत्तर युग

26) कहानी विधा का विकास - स्वातंत्र्यपूर्व, स्वातंत्र्योत्तर युग

27) नाटक विधा का विकास प्रसादपूर्व युग, प्रसाद युग, प्रसादोत्तर युग

28) एकांकी विधा का विकास - स्वतंत्रतापूर्व, स्वातंत्र्योत्तर युग

29) निबंध विधा का विकास - भारतेन्दुयुग, द्विवेदीयुग, शुक्लयुग, शुक्लोत्तर युग

30) संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रावर्णन, रिपोर्ताज का विकासात्मक अध्ययन

31) आलोचना का विकास - भारतेन्दुयुगीन, द्विवेदीयुगीन, द्विवेदीयुगोत्तर

32) हिन्दी पत्रकारिता का विकासात्मक अध्ययन और भारतेन्दु, महावीरप्रसाद द्विवेदी, माखनलाल चतुर्वेदी, गणेश शंकर विद्यार्थी, कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर के योगदान का अध्ययन

33) भारतेन्दुयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

34) द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

35) राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा एवं मैथिलीशरण गुप्त, रामधारी सिंह दिनकर, माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा, 'नवीन' सुभद्राकुमारी चौहान का योगदान

36) छायावाद की प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, छायावाद की बृहत्त्रयी और लघुत्रयी

37) प्रगतिवाद प्रेरक परिस्थितियाँ, प्रमुख विशेषताएँ

38) प्रयोगवाद - प्रेरक कारण प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रयोगवाद और नई कविता

( आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल पर वस्तुनिष्ठ वैकल्पिक प्रश्नों के लिए 10 अंक एवं आधुनिक काल पर 10 अंक का प्रश्न होगा )

**संदर्भ ग्रंथ :-**


1) हिन्दी साहित्य का इतिहास - रामचन्द्र शुक्ल
2) हिन्दी साहित्य की भूमिका, उद्भव, विकास - डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3) हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
4) हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - डॉ. जयकिशन प्रसाद खण्डेलवाल
5) हिन्दी साहित्य का सुबोध इतिहास - बाबू गुलाबराय
6) हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - डॉ. रामकुमार वर्मा
7) हिन्दी रीति साहित्य - डॉ. भगीरथ मिश्र
8) हिन्दी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र
9) हिन्दी साहित्य का आदिकाल - हजारीप्रसाद द्विवेदी,
10) हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास - डॉ. उमेश शास्त्री
11) हिन्दी का गद्य साहित्य - रामचन्द्र तिवारी
12) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य - रामरतन भटनागर
13) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक - डॉ. रीता कुमार
14) प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार - डॉ. विभुराम मिश्रा
15) हिन्दी के प्रतिनिधि निबंधकार - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना,
16) आधुनिक हिन्दी साहित्य का विकास - डॉ. श्रीकृष्णलाल,
17) हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
18) हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. देवीशरण रस्तोगी
19) हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास - डॉ. सभापति मिश्रा
    प्रका. विनय प्रकाशन, कानपुर
20) हिन्दी साहित्य का सामीक्षात्मक इतिहास - डॉ. कृष्णलाल हंस
21) आधुनिक साहित्य का इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
22) साहित्य यात्रा - डॉ. मनोहर सराफ, प्रा. श्रीमती रेखा गाजरे, प्रा. श्रीमती कांता राठी,
    प्रका. अजिंठा एज्युकेशनल सप्लायर्स, भुसावळ
23) हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. रमेशचंद्र शर्मा,

## प्रश्नपत्र क्र.8 (क) विशेष स्तर - हिन्दी आलोचना

**उद्देश्य :-** छात्रों को निम्नलिखित बिन्दुओं की जानकारी देना

1) आलोचना के स्वरूप और प्रवृत्ति का ज्ञान.
2) आलोचना के विकासक्रम का परिचय
3) हिन्दी के प्रमुख आलोचकों की आलोचना पद्धति एवं आलोचना की तारतम्यता का बोध.
4) निर्धारित आलोचकों की आलोचना पद्धतियों के द्वारा छात्रों में आलोचना दृष्टि का संजागरण

**पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचक :-**

1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी
4) डॉ.नगेन्द्र
5) डॉ. रामविलास शर्मा
6) डॉ.नामवर सिंह

**अध्ययनार्थ विषय :-**

1) आलोचना का स्वरूप एवं उद्देश्य
2) आलोचना की प्रक्रिया
3) आलोचक के गुण
4) आलोचना और अनुसंधान आलोचना और पाठालोचन, साहित्यालोचन और इतिहास लेखन.
5) आलोचना के प्रमुख प्रकार - सैध्दांतिक, व्याख्यात्मक, ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक, प्रगतिवादी प्रभाववादी, स्वच्छन्दतावादी.
6) हिन्दी आलोचना का विकासक्रम.
7) हिन्दी आलोचना और प्रगतिशील साहित्य
8) निर्धारित आलोचकों में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धतियों का अध्ययन, साम्य एवं वैषम्य .
9) आधुनिक हिन्दी आलोचना में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का स्थान
10) आचार्य नंददुलारे वाजपेयी की समन्वयशील आलोचना.
11) डॉ. नगेन्द्र की आलोचना पद्धति
12) डॉ. रामविलास शर्मा मार्क्सवादी आलोचना
13) डॉ. नामवरसिंह की आलोचना पद्धति एवं उनका हिन्दी आलोचना में योगदान

**संदर्भ ग्रंथ :-**

1) हिन्दी आलोचना उद्भव और विकास - भगवत स्वरूप मिश्र प्र. साहित्य सदन, देहरादून
2) हिन्दी के विशिष्ट आलोचक - नंदकुमार राय, वसुमति प्रकाशन, इलाहाबाद
3) हिन्दी की सैध्दांतिक आलोचना - रूपकिशोर मिश्र, प्र. अनुभव कानपूर

4) हिन्दी समीक्षा स्वरूप और संदर्भ - रामदरश मिश्र प्र. मॅकमिलन, नई दिल्ली
5) हिन्दी आलोचना का इतिहास - रामदरश मिश्र प्र. काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी.
6) हिन्दी आलोचना की परंपरा और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी - सं. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नॅशनल दिल्ली
8) डॉ.नगेन्द्र के आलोचना सिद्धान्त - चौबे नारायण प्रसाद, नॅशनल दिल्ली
9) डॉ. रामविलास शर्मा - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10) आलोचक रामविलास शर्मा - नत्थनसिंह, विभूति प्रकाशन, नई दिल्ली
11) हिन्दी आलोचना : स्वरूप और प्रक्रिया - सं. आनंद प्रकाश दीक्षित
12) आचार्य शुक्ल के समीक्षा सिध्दांत - डॉ.रामलाल सिंह
13) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना - डॉ. रामविलास शर्मा.
14) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व और साहित्य- डॉ.गणपतिचन्द्र गुप्त.
15) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी : व्यक्ति और साहित्य - डॉ. रामाधार शर्मा
16) हिन्दी आलोचना के आधार स्तंभ : डॉ. रामेश्वरलाल खण्डेलवाल.
17) दूसरी परंपरा की खोज - डॉ. नामवर सिंह
18) स्वच्छंदतावादी समीक्षा नये आयाम - मिथिलेश सिंह
19) प्रमुख आलोचक रामप्रसाद मिश्र प्र. भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली
20) हिन्दी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी
21) हिन्दी मे तुलनात्मक आलोचक - बदरी प्रसाद.

---0---

## प्रश्नपत्र 8 (ब) : शैली विज्ञान

**उद्देश्य :-**

1) शैलीविज्ञान की परिभाषा, व्याप्ति और आवश्यकता को साहित्य के संदर्भ में जानना ।
2) शैलीविज्ञान के उद्गम और क्रमिक विकास से अवगत होना ।
3) भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र और शैलीविज्ञान का संबंध समझना ।

**पाठ्यक्रम :-**

1) शैली विज्ञान की परिभाषाएँ स्वरूप, प्रयोजन तथा अध्ययन क्षेत्र.

2) शैली विज्ञान का उद्गम और विकास, शैली कला या विज्ञान, रीति और शैली, शैली विज्ञान और आलोचना, शैली और चयन की समस्या.

3) शैली के उपकरण - चयन, विचलन, स्थापन, अग्र, प्रस्तुतिकरण, पुनरावर्तन, सादृश्यविधान, समांतरता, प्रतीक विधान, बिंब विधान.

4) शैली विज्ञान तथा अन्य विज्ञान - भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान, दर्शन, सौंदर्यशास्त्र, समाजशास्त्र.

5) साहित्य समीक्षा प्रणालियों में शैली विज्ञान का स्थान, शैली विज्ञान की स्वतंत्र सत्ता.

6) भारतीय काव्यशास्त्र तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिध्दांतो में शैली विज्ञान के तत्व

7) काव्यभाषा तथा काव्येतर भाषा.

8) गद्य और पद्य साहित्य की समीक्षा में शैली की वैज्ञानिक विधि का प्रयोग.

9) शैली विज्ञान की अध्ययन प्रक्रिया, उस में भाषाशास्त्र के अंगो का उपयोग.

10) ध्वनिय शैली विज्ञान.

11) निम्नलिखित साहित्यकारों की रचनाओं का शैली वैज्ञानिक अध्ययन - बिहारी, प्रेमचन्द, जैनेन्द्रकुमार कवि निराला, कवि अज्ञेय, कवि मुक्तिबोध, निबन्धकार पं. विद्या निवास मिश्र.

**संदर्भ ग्रंथ :-**

1) शैली विज्ञान का स्वरूप - मुक्तेश्वर नाथ उपाध्याय
2) शैली विज्ञान की रूपरेखा - कृष्णकुमार शर्मा

3) शैली विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी.
4) शैलीविज्ञान - पं. विद्यानिवास मिश्र
5) व्यावहारिक शैली विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
6) शैली विज्ञान - सुरेशकुमार
7) शैली विज्ञान और आलोचना की नयी भूमिका - रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव
8) गद्यरचना - शैली वैज्ञानिक विवेचन - कृष्णकुमार शर्मा
9) शैली विज्ञान का इतिहास - कृष्णकुमार शर्मा
10) भारतीय शैली विज्ञान - डॉ. सत्यदेव चौधरी
11) आधुनिक आलोचना बनाम शैली विज्ञान - कृपा शंकर सिंह.
12) शैली और शैली विज्ञान - सं. डॉ. सुरेशकुमार और रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव
13) शैलीविज्ञान का इतिहास - पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'.
14) शैली विज्ञान - डॉ. नगेन्द्र

## प्रश्नपत्र क्र.8 (ग) : अनुवाद विज्ञान

**उद्देश्य :-** विद्यार्थियों को निम्नलिखित विषयों की जानकारी देना.

1) अनुवाद - परिभाषा, स्वरूप, महत्त्व और व्याप्ति
2) अनुवाद के विविध रूप और अनुवाद की प्रक्रिया
3) अनुवाद के सामाजिक और सांस्कृतिक पक्ष
4) अनुवाद करते समय उभरनेवाली विविध समस्याएँ और उनका समाधान
5) अनुवाद कार्य का क्रमिक विकास एवं अनुवाद का भाषा वैज्ञानिक पक्ष.

**अध्ययनार्थ विषय :**

1) अनुवाद की परिभाषाएँ तथा स्वरूप
2) अनुवाद की आवश्यकता एवं उद्देश्य
3) अनुवाद - कला या विज्ञान.
4) अनुवाद का लिखित एवं मौखिक स्वरूप एवं वर्तमान काल में उसकी प्रायोगिकता.
5) अनुवाद की प्रक्रिया - मूलभाषा के पाठबोधन, लक्ष्यभाषा की विशेषताएँ, अर्थ ज्ञान, अर्थांतरण, अधिकानुवाद, न्यूनानुवाद.
6) अनुवाद का सामाजिक एवं सांस्कृतिक पक्ष.
7) अनुवाद कार्य में सहायक साधनों के उपयोग का महत्त्व - द्विभाषिक कोश, त्रिभाषिक कोश, वर्णनात्मक कोश, सूचियाँ, विषय विशेष के ग्रंथ, संयंत्र
8) अनुवाद के प्रकार - साहित्यिक विधा के आधार पर, प्रक्रिया के आधार पर, तथा गद्य पद्य के आधार पर
9) रचनात्मक साहित्य के अनुवाद का स्वरूप, आवश्यकता, समस्याएँ एवं सीमाएँ
10) वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद का स्वरूप, आवश्यकता, स्वरूप विशेषताएँ एवं समस्याएँ.
11) **अनुवाद और भाषाविज्ञान.**
    - (अ) भाषा विज्ञान के रूप और अनुवाद
    - (आ) अनुवाद और ध्वनिविज्ञान
    - (इ) अनुवाद और अनुलेखन
    - (ई) अनुवाद और अर्थविज्ञान
    - (उ) अनुवाद और रूप विज्ञान
    - (ऊ) अनुवाद और शब्द विज्ञान
12) अनुवाद कार्य में शैली- विज्ञान अनुवाद की शैली का स्वरूप एवं विशेषताएँ, सामग्री विविध शैलियों का निर्धारण अथवा परिवर्तन की संभवनाएँ, प्रतिबद्धता एवं स्वतंत्रता का प्रश्न.
13) अनुवाद की समस्याएँ - मुहावरों, कहावतों के अनुवाद, अलंकारों के अनुवाद, काव्यानुवाद, नाट्य का अनुवाद, वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद, सांस्कृतिक समस्या, शोधक की समस्या

14) अनुवाद के मूल्यांकन का प्रश्न - आवश्यकता तथा निकष.

15) अनुवादक की योग्यता, कर्तव्य एवं आचार संहिता, सफल अनुवादक की कसौटियाँ.

16) हिन्दी साहित्य में अनुवाद कार्य की परंपरा का इतिहास

17) अंग्रेजी या मराठी गद्यखंड का हिन्दी में अनुवाद (गद्यखंड वैचारिक निबंध से उद्धृत होगा एवं लगभग 150 शब्दों का होगा ).

**संदर्भ ग्रंथ :-**


1) अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी

2) अनुवाद कला : कुछ विचार - आनंद प्रकाश खेमानी.

3) अनुवाद कला - चारुदेव शास्त्री

4) अनुवाद : सिध्दान्त और व्यवहार - एस. के शर्मा

5) अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ - डॉ. भोलानाथ तिवारी

6) विशेषीकृत भाषा और अनुवाद - गोपाल शर्मा.

7) काव्यानुवाद की समस्याएँ - महेन्द्र चतुर्वेदी, डॉ. ओमप्रकाश गाबा

8) अनुवाद विज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति - सं. डॉ.मु.ब.शहा, डॉ.पीताम्बर सरोदे

9) अनुवादकला और समस्याएँ - प्र.वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक ग्रंथालय

10) अनुवाद सिध्दान्त एवं स्वरूप - डॉ. मनोहर सराफ, डॉ.शिवाकांत गोस्वामी.

## प्रश्नपत्र क्र 6 (घ) राजभाषा प्रशिक्षण

**उद्देश्य -**

1) साहित्य भाषा एवं राजभाषा के अंतर को समझना ।
2) राजभाषा प्रचार कार्य और संविधान के प्रावधान के बारे मे जानकारी ।
3) राजभाषा का अनुप्रयोग, वैशिष्ट्य से अवगत होना ।
4) संगणकीय अनुप्रयोग के बारे में ज्ञान प्राप्त करना ।
5) राजभाषा के विविध प्रयोगो से अवगत होना ।

पाठ्यक्रम -

1) भाषा और प्रशासन व्यवस्था - भाषा का साहित्यिक रूप - भाषा का प्रशासकीय रुप मे अंतर तथा विशेषताएँ
हिन्दी राजभाषा के रूप में ।

2) राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान तथा हिन्दी के प्रचार - प्रचार मे हिन्दी संस्थाओ की भूमिका - राजभाषा
अधिनियम 343 से 351 - राजभाषा अधिनियम 1963 - संशोधित 1967 राजभाषा संकल्प 1968 - 1976 - राजभाषा के संबंध में राष्ट्रपति के आदेश । हिन्दी के प्रचार प्रसार में - नागरी प्रचारिणी सभा काशी, हिन्दी साहित्य संमेलन प्रयाग , महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा समिति वर्धा, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार समिति मद्रास, इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय विद्यापीठ वर्धा, केंद्रिय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली आदि का योगदान

3) हिन्दी और देवनागरी लिपि का मानकीकरण का प्रयत्न - केंद्रिय हिन्दी निदेशालय के हिन्दी लेखन के नियम । संगणक की दृष्टि से देवनागरी की उपयोगिता ।

4) राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष - सरकारी पत्राचार, मसौदा एवं टिप्पण लेखन हिन्दी के संकेताक्षर और कूटपदनिर्माण ।

5) वैज्ञानिक एवं तकनिकी पारिभाषिक शब्दावली - ( सूची संलग्न )

6) बँक, बीमा, और व्यापारिक क्षेत्र में हिन्दी - दिशाएँ , अनुप्रयोग ।

7) हिन्दी कम्प्युटरीकरण - कम्प्यूटर का परिचय - उपयोग, इंटरनेट संपर्क उपकरणो का परिचय, वेब पब्लीशींग, लींक, ब्राऊजिंग, ई - मेल भेजना प्राप्त करना, डाऊन लोडींग, अप लोडिंग हिन्दी सॉफ्टवेअर का सामान्य परिचय ।

8) माध्यम (मिडिया) मे हिन्दी की दिशाएँ । प्रयोग - मुद्रित, श्रव्य, दृश्य, श्रव्य, आदि ।
9) भूमंडलीकरण और हिन्दी ।

संदर्भ ग्रंथ :


1) पारिभाषिक शब्द संग्रह - केंद्रीय हिंदी निदेशालय - दिल्ली
2) देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली
3) मानक हिंदी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी - प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
4) प्रशासन में राजभाषा हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया - तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
5) हिंदी विविध व्यवहारों की भाषा - सुवास कुमार - वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6) मीडिया लेखन - रमेशचंद्र त्रिपाठी, पवन अग्रवाल - भारत प्रकाशन, दिल्ली
7) प्रयोजन मूलक हिंदी सिध्दांत और प्रयोग - डॉ. दंगल झाल्टे - वाणी प्रकाशन, देल्ली
8) प्रयोजन मूलक हिंदी - कमल बोस - क्लासिक पब्लिकेशन, दिल्ली
9) प्रयोजन मूलक हिंदी - भाग 1 से 3 - डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कानपुर
10) कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजयकुमार मल्होत्रा - वाणी प्रकाशन, नई देल्ली.

## वैज्ञानिक शब्दावली -

| | | |
|---|---|---|
| 1 | Abdomen | उदर |
| 2) | Amputation | अंगोच्छेदन |
| 3) | Anemic | रक्तक्षीणता |
| 4) | Antibiotic | प्रतिजैविक |
| 5) | Anatomy | शरीर रचना विज्ञान |
| 6) | Biophysical | जैवभौतिक |
| 7) | Botany | वनस्पतिविज्ञान |
| 8) | Breeding | प्रजनन |
| 9) | Density | घनत्व |
| 10) | Drug Addiction | व्यसनाधिनता |
| 11) | Energy | उर्जा |
| 12) | Fossil | जीवाश्म |
| 13) | Genetic | आनुवांशिक |
| 14) | Hypocastria | अधोजठर |
| 15) | Nutrition | पोषण |
| 16) | Pathology | रोग विज्ञान |
| 17) | Response | अनुक्रिया |
| 18) | Symptom | लक्षण |
| 19) | Tissue | टिशू |
| 20) | Physician | डॉक्टर |
| 21) | Orthopedic | अस्थितज्ञ |
| 22) | Pharmacist | औषध देनेवाला |
| 23) | Obstetrician | प्रसूतितज्ञ |
| 24) | Pediatrician | बालरोग तज्ञ |
| 25) | Urologist | मूत्ररोग तज्ञ |
| 26) | Ophthalmologist | नेत्र तज्ञ |
| 27) | Gynaecologist | स्त्री-रोग तज्ञ |
| 28) | Surgeon | शल्य चिकित्सक |
| 29) | Radiologist | क्ष किरण तज्ञ |
| 30) | Tonics | शक्तिवर्धक |
| 31) | Antacid | पित्तशामक |
| 32) | Pulse | नाडी |
| 33) | Dose | मात्रा |
| 34) | Growth | वृद्धि |
| 35) | Stethoscope | हृदय-स्पंदन कर्णयंत्र |
| 36) | Acidity | अम्लपित्त |
| 37) | Bleeding | खून बहना / रक्तस्त्राव |

| | | |
|---|---|---|
| 38) Evolution | - | उत्क्रांती |
| 39) Palea - Bio logy | - | जैविक अवशेष |
| 40) Nucleus | - | केन्द्रक |
| 41) Reproduction | - | पुनरुत्पादन |
| 42) Carnivores | - | मांसाहारी (सामिष) |
| 43) Herbivores | - | शाकाहारी (निरामिष) |
| 44) Omnivores | - | मिश्रहारी |
| 45) Photosynthetic | - | प्रकाश संश्लेषण |
| 46) Fertilizer | - | खाद, उर्वरक |
| 47) Drug | - | दवा |
| 48) Vomiting | - | उल्टी / कै |
| 49) Contraction | - | सिकुडना |
| 50) Fusion at Atom | - | अणु का विलयन |
| 51) Fission of Atom | - | अणु का विखंडन |
| 52) Repeater Station | - | पुनरावर्तक स्टेशन |
| 53) Purification | - | शुद्धिकरण |
| 54) Metals | - | धातु |
| 55) Solvent | - | द्रावक |
| 56) Ratio | - | गुणोत्तर |
| 57) Orbit | - | कक्षा |
| 58) Odorless | - | गंधहीन |
| 59) Fuels | - | इंधन |
| 60) Machinery | - | मशिनरी |
| 61) Maintenance | - | अनुरक्षण |
| 62) Multipurpose | - | बहुप्रयोजनी |
| 63) Neutral | - | उदासीन |
| 64) Expositve | - | स्फोटक |
| 65) Reverse | - | उलटा, प्रतिलोम |
| 66) Tabular | - | सारणी बद्ध |
| 67) Technical | - | तकनीकी |
| 68) Crystalline | - | स्फटिकी |
| 69) Zeal | - | जोश |
| 70) Afum | - | फिटकरी |
| 71) Electrolysis | - | विद्युत अपघटन |
| 72) Ash | - | राख |
| 73) Gull | - | उपसागर |
| 74) Season | - | मौसम |
| 75) Cyclone | - | चक्रवात |
| 76) Volcano | - | ज्वालामुखी |

| | | |
|---|---|---|
| 77) Gusher | - | तेल का कुआं |
| 78) Dew | - | ओस |
| 79) Dust | - | धूल |
| 80) Vapour | - | भाफ |
| 81) Moor | - | बंजर जमीन |
| 82) Density | - | घनता |
| 83) Reactivity | - | क्रियाशीलता |
| 84) Composition | - | घटक |
| 85) Isotherm | - | समताप रेखा |
| 86) Vacuum | - | निर्वात |
| 87) Vertical | - | खड़ा |
| 88) Horizontal | - | तिरछा / आड़ा |

## प्रश्नपत्र क्र. 8 (च) : प्रयोजन मूलक हिंदी

<u>उद्देश्य</u> -

1) हिन्दी एवं देवनागरी लिपि के बारे में जानना ।
2) पत्राचार के विविध रूपों से परिचय लेना ।
3) जनसंचार माध्यमों से अवगत होना ।
4) अनुप्रयोगात्मक ज्ञान प्राप्त करना ।

पाठ्यक्रम -

1) हिंदी के विभिन्न रूप - साहित्यिक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, माध्यमभाषा
2) देवनागरी लिपि - गुण, वैज्ञानिकता, दोष, सुधार, मानक वर्णमाला और संगणकीय दृष्टि से देवनागरी लिपि, नागरी अंक, भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप ।
3) राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य - प्रारूपण, पत्रलेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण ।
4) पारिभाषिक शब्दावली - ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र की पारिभाषिक शब्दावली ( सूची संलग्न)
5) पत्राचार - व्यापारिक पूछताछ पत्र, संदर्भ या परिचय पत्र, शिकायती पत्र, साख पत्र, आवेदन पत्र - छुट्टी के लिए आवेदन, नौकरी के लिए आवेदन, वेतनवृध्दि के लिए आवेदन, सरकारी पत्र - कार्यालय आदेश, अर्ध्द सरकारी पत्र, संकल्प, प्रेस विज्ञप्ति ।
6) कम्प्यूटर - परिचय, रूपरेखा, उपयोग - इंटरनेट संपर्क उपकरण वेब पब्लिशिंग
7) जनसंचार माध्यम - मुद्रण माध्यम, समाचार लेखन, संपादन के तत्व, शीर्षक, पृष्ठसज्जा, प्रूफ शोधन, प्रारूप, प्रकार-मुद्रण, श्रव्य, दृश्यश्रव्य, श्रव्यमाध्यम, रेडिओ - की दृष्टि से समाचार वाचन, उद्घोषणा लेखन, फीचर लेखन और विज्ञापन लेखन ।
8) अनुवाद - अनुवाद का स्वरूप, प्रक्रिया, प्रविधि - कार्यालय अनुवाद, साहित्यिक अनुवाद - मराठी / अंग्रेजी से हिन्दी में ।

संदर्भ ग्रंथ -

1) पारिभाषिक शब्द संग्रह - केंद्रीय हिंदी निदेशालय - दिल्ली
2) देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण - केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली
3) मानक हिंदी का स्वरूप - भोलानाथ तिवारी - प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
4) प्रशासन में राजभाषा हिंदी - कैलाशचंद्र भाटिया - तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
5) हिंदी विविध व्यवहारों की भाषा - सुवास कुमार - वाणी प्रकाशन, दिल्ली
6) मीडिया लेखन - रमेशचंद्र त्रिपाठी, पवन अग्रवाल - भारत प्रकाशन, दिल्ली

7) प्रयोजन मूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग - डॉ. दंगल झाल्टे - वाणी प्रकाशन, दिल्ली

8) प्रयोजन मूलक हिंदी - कमल बोस - क्लासिक पब्लिकेशन, दिल्ली

9) प्रयोजन मूलक हिंदी भाग 1 से 3 - डॉ. उर्मिला पाटील, अतुल प्रकाशन, कानपुर

10) कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग - विजयकुमार मल्होत्रा - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

## ज्ञान विज्ञान की शब्दावली -

| | | |
|---|---|---|
| 1) Actor | - | अभिनेता |
| 2) Announcer | - | उद्घोषक |
| 3) Anchor | - | टी.वी.कार्यक्रम को संचालित करनेवाला । |
| 4) Back - ground | - | पीछे का दृश्य, पृष्ठ भूमि । |
| 5) Camera rehrshal | - | अंतिम रिहर्सल । |
| 6) Caption | - | चित्र - शीर्षक । |
| 7) Caste | - | मुख्य कलाकारों की सूची । |
| 8) Director | - | निदेशक |
| 9) Dress designer | - | वेशभूषा विशेषज्ञ । |
| 10) Dubbing | - | ध्वनि स्थानांतरण । |
| 11) Editing | - | संपादन । |
| 12) Flash back | - | स्मृति दृश्य । |
| 13) Floor Manager | - | मंच निदेशक । |
| 14) Frame | - | चौखटा । |
| 15) Graphic | - | चित्र, चार्ट, ग्राफ । |
| 16) Lighting | - | प्रकाश व्यवस्था । |
| 17) Live | - | सीधा प्रसारण । |
| 18) Mute | - | ध्वनि रहित दृश्य । |
| 19) Producer | - | निर्माता । |
| 20) Recording | - | ध्वन्यांकन । |
| 21) Scenario | - | दृश्यलेख । |
| 22) Special effect | - | विशेष प्रभाव । |
| 23) Title song | - | शीर्षक गीत । |
| 24) Writer | - | लेखक । |
| 25) Addles Paper | - | विज्ञापनरहित पत्र । |
| 26) Alpha type | - | फोटो अक्षर योजन पद्धति । |
| 27) Artistic Layout | - | कलात्मक सज्जा । |
| 28) Automatic Composing | - | स्वचल मुद्रायोजन । |
| 29) Banner | - | पताका । |
| 30) Bold Type | - | मोटा टाईप । |
| 31) Binding | - | जिल्दसाजी । |
| 32) Bulletin | - | विज्ञप्ति । |
| 33) Calendar news story | - | तिथिगत समाचार |
| 34) Cartoon | - | व्यंगचित्र |
| 35) Catch line | - | शेषांश (शीर्षक) |
| 36) Proof reader | - | मुद्रित शोधक |
| 37) Column | - | स्तंभ |

| | | |
|---|---|---|
| 38) City Editor | - | नगर संपादक |
| 39) Waxed paper | - | मोम कागज |
| 40) weekly | - | साप्ताहिक |
| 41) Interview | - | साक्षात्कार |
| 42) Brief | - | संक्षिप्त |
| 43) Border | - | हाशिया |
| 44) Verse | - | दोहा |
| 45) Version | - | अनुवाद |
| 46) Vocabulary | | शब्द भंडार |
| 47) Vernacular Language | - | देशज भाषा |
| 48) Authoress | - | लेखिका |
| 49) Calligraphy | - | सुलेखन कला |
| 50) Bibliography | | ग्रंथसूची |
| 51) Arial | | हवाई |
| 52) Amplification | | वर्धन |
| 53) Amplifier | | ध्वनिवर्धक |
| 54) Announce | | उद्घोषणा |
| 55) Audio | - | भाष्य, आवाज |
| 56) Antenna | - | अन्टेना |
| 57) Broad Casting | - | प्रक्षेपण |
| 58) Capacity | | क्षमता |
| 59) Carrier wave modulation | - | वाहक लहरियों में परिवर्तन |
| 60) Connection | - | जोडना |
| 61) Commentary | - | वृत्तवर्णन |
| 62) Composer | | स्वर रचनाकार |
| 63) Recording | - | ध्वनिमुद्रण |
| 64) Drum | - | नगाड़ा |
| 65) Duet | - | द्वंद्वगीत, युगलगीत |
| 66) Episode | - | प्रसंग, दृश्य |
| 67) Opera | - | संगीत नाटक |
| 68) Performance | - | प्रस्तुति |
| 69) Orchestra | - | वाद्यवृंद |
| 70) Computer | - | संगणक |
| 71) Apparatus | - | उपकरण |
| 72) Automation | - | स्वयंचलित यंत्र |
| 73) Assembly language | - | प्रोग्राम भाषा |
| 74 Bit | - | सूचना की छोटी इकाई |
| 75. Browsing | - | कंप्यूटर पर जानकारी ढूँढना |
| 76 Browser | - | इंटरनेट संबंधी आज्ञावली |

77) Byte - आठ बिटों का समूह
78) Code word - कुट शब्द
79) Command - आदेश
80) Chat - इंटरनेट द्वारा वार्तालाप
81) Curser - स्क्रिन पर दिखनेवाली रेखा- जो इधर उधर हो सकती है।
82) Cyber - इंटरनेट से संबंधित
83) E- mail - संगणकीय टपाल
84) Feed - जानकारी भरना
85) Hatch - संकेत अवैध तरीके से नष्ट करना।
86) Instruction - निर्देश
87) Monitor - कंप्यूटर का परदा
88) Mouse - माऊस
89) Modem - संचार मार्ग और संगणक की कडी।
90) Optical fiber - प्रकाशवीय तंतू
91) Pulse - स्पंद
92) Scan - संगणक पर प्रतिमा प्राप्त करना।
93) Software - संगणक प्रणाली
94) Surf - वेब सफर
95) Web - जाल
96) Web technology - वेब तकनीक
97) Bud - (फुल की) कली
98) Bamboo - बाँस
99) Germ - अंकुर
100) Juice - रस
101) Pulp - गूदा
102) Pollen grain - पराग केसर
103) Root - जड
104) Stone - गूठली
105) Seed - बीज
106) Coir - नारियल की जटा
107) Latex - रबर का दूध
108) Irrigation - सिंचाई
109) Crale - टोकरा

## प्रश्नपत्र क्र. 8 (छ) : लोकसाहित्य :

**उद्देश्य :-** विद्यार्थियों को निम्नलिखित विषयों की जानकारी देना.

1) लोकसाहित्य के स्वरूप को समझते हुए उसके अध्ययन का महत्व स्पष्ट करना.
2) लोकसाहित्य की विविध विधाओं के अध्ययन द्वारा लोकजीवन में उसकी व्यापकता को समझाना.
3) लोकसाहित्य का सामाजिक, राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक महत्व बताकर उसके विशेष अध्ययन के लिए प्रेरणा देना.

**पाठ्यक्रम :-**

1) 'लोक' शब्द की व्याख्या, लोकसाहित्य की प्रमुख परिभाषाएँ, लोक साहित्य का वर्गीकरण, लोकसाहित्य और शिष्ट साहित्य में साम्य और वैषम्य, लोकसाहित्य के अध्ययन का महत्व लोकवार्ता.
2 लोकसाहित्य का अन्य शास्त्रों से संबंध - इतिहास, पुरातत्व, मानव - विज्ञान, समाज विज्ञान, मनोविज्ञान, भाषाविज्ञान, धर्मशास्त्र.
3 लोकगीत - परिभाषा, लक्षण तत्व, विशेषताएँ, लोकगीतों का वर्गीकरण, लोकगीतों और साहित्यिक गीतों में अंतर, लोकगीतों के प्रमुख प्रकार - सोहर, विवाह, गौना, कजली, होली, लोरी, लावणी. ( लोकगीतों का सामान्य परिचय )
4) लोकगाथा - उत्पत्तिविषयक सिध्दांत, प्रमुख लक्षण, लोकगाथाओं का वर्गीकरण, आल्हा, गोपी-चांदल, भरथरी की लोकगाथा का सामान्य परिचय.
5) लोककथा - लोककथा के मूल स्त्रोत, लोककथा का स्वरूप एवं वर्गीकरण, लोककथा उत्पत्ति विषयक विविधवाद, लोककथा और साहित्यिक कहानी में अंतर लोककथाओं अभिप्राय, लोककथा की विशेषताएँ.
6) लोकनाट्य - भारत में लोकनाट्य की परंपरा, लोकनाट्य की विशेषताएँ, लोकनाट्य और साहित्यिक नाटक में अंतर, लोकरंगमंच, भरत के प्रमुख लोकनाट्य - रामलीला, रासलीला, भवई, यक्षगान, तमाशा, जत्रा, मॉच, नौटंकी, कुचिपुडी, ललित, ख्याल ( सामान्य परिचय ).
7) प्रकीर्ण साहित्य - मुहावरें, कहावतें, पहेलियाँ, मुकरियाँ, ढकोसला, मंत्र, टोना-टोटका.
8) लोकसाहित्य - भावाभिव्यक्ति और कलात्मक सौंदर्य
9) लोकसाहित्य का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय महत्व.

**संदर्भ ग्रंथ :-**


1) भारतीय लोकसाहित्य - डॉ. श्याम परमार
2) लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
3) लोकसाहित्य सिध्दांत और प्रयोग - डॉ. श्रीराम शर्मा
4) लोकसाहित्य के प्रतिमान - डॉ. कुंदनलाल औति
5) राही बोली का साहित्य - डॉ सत्या गुप्त.
6. लोकसाहित्य विज्ञान - डॉ. सत्येन्द्र
7 लोकवार्ता और लोकगीत - डॉ.सत्येन्द्र
8 लोकसाहित्य का अध्ययन - डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय

9) महाराष्ट्र का हिन्दी लोककाव्य - डॉ. कृष्ण दिवाकर
10) लोकगीतो का विवेचनात्मक अध्ययन - डॉ. कुलदीप
11) लोकगीतो की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - डॉ. विद्या चौहान
12) हमारे संस्कार गीत - राजरानी शर्मा
13) लोककथा परिचय - नलिन विलोचन शर्मा
14) लोककथा विज्ञान श्रीचन्द्र जैन
15) लोकधर्मी नाट्य परंपरा - डॉ. श्याम परमार
16) लोकनाट्य - परंपरा और प्रवृत्तियाँ - डॉ. महेन्द्र भानावत
17) भारत के लोकनाट्य - डॉ. शिवकुमार मथुर
18) महाराष्ट्र का लोक धर्मी नाट्य - डॉ. दुर्गा दीक्षित
19) लोक साहित्य - इंद्रदेव सिंह
20) लोकसाहित्य विमर्श - डॉ. श्याम परमार
21) भारतीय लोकसाहित्य की रूपरेखा - दुर्गा भागवत अनु. डॉ. स्वर्णकांता

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव
एम.ए. द्वितीय वर्ष - हिंदी

## प्रश्नपत्र का स्वरुप एवं अंक विभाजन

**प्रश्नपत्र क्र 5 - सामान्य स्तर : आधुनिक काव्य ।**

1) प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा । प्रश्नपत्र मे कुल 5 प्रश्न पुछे जाएंगे ।
प्रत्येक प्रश्न को 20 अंक होंगे ।
2) निर्धारित पाँचों पाठ्य पुस्तकों पर आधारित 5 प्रश्न पूछे जाएंगे जो आंतरवैकल्पिक होंगे ।
पाँचो पुस्तकें एक दूसरे को विकल्प हो सकती हैं ।
3) 5 वाँ प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का होगा । पाँचों पाठ्यपुस्तकों पर 5 अवतरण पूछे जाएंगे, चार के उत्तर अपेक्षित हैं ।

**प्रश्नपत्र क्र 6 - विशेष स्तर : भाषाविज्ञान एवं हिंदी भाषा ।**

1) प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा । प्रत्येक प्रश्न को 20 अंक होंगे ।
2) प्रश्नपत्र में 'अ' और 'आ' दो विभाग होंगे । दोनों विभागों में उत्तर एक ही उत्तर पत्रिका में लिखने हैं ।
3) विभाग 'अ' मे भाषाविज्ञान पर आधारित चार प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से दो के उत्तर अपेक्षित हैं ।
4) विभाग 'आ' मे हिंदी भाषा पर आधारित पाँच प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमे से तीन के उत्तर अपेक्षित हैं ।

**प्रश्नपत्र क्र 7 - विशेष स्तर : हिंदी साहित्य का इतिहास ।**

1) प्रश्नपत्र 100 अंको का होगा । प्रत्येक प्रश्न को 20 अंक होंगे ।
2) प्रश्नपत्र मे अ, आ, इ तीन विभाग होंगे । तीनों विभागों मे उत्तर एक ही उत्तर पत्रिका में लिखने है ।
3) विभाग 'अ' मे आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल पर चार प्रश्न पूछे जाएंगे, दो के उत्तर अपेक्षित है ।
4) विभाग 'आ' मे आधुनिक काल पर चार प्रश्न पूछे जाएंगे, दो के उत्तर अपेक्षित हैं ।
5) विभाग 'इ' मे वस्तुनिष्ठ प्रश्न होगा, जिसमे आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल पर पाँच प्रश्न तथा आधुनिक काल पर पाँच प्रश्न, इस प्रकार दस प्रश्न होंगे । प्रत्येक प्रश्न को दो अंक होंगे । प्रश्नों का स्वरुप एक वाक्य में उत्तर दीजिए अथवा बहुपर्यायी उत्तरवाले प्रश्न होंगे । प्रश्नपत्र मे किसी एक ही पद्धति का अवलंब किया जाय ।

**प्रश्नपत्र क्र 8 , विशेष स्तर - वैकल्पिक :**

**(क) हिंदी आलोचना -**

1) प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न को 20 अंक होंगे।
2) प्रश्नपत्र में 'अ' और 'आ' दो विभाग होंगे। दोनों के उत्तर एक ही उत्तपत्रिका में लिखने हैं।
3) विभाग 'अ' में आलोचना के सैद्धांतिक पक्ष पर चार प्रश्न पूछे जाएँगे , दो के उत्तर अपेक्षित है।
4) विभाग 'आ' में पाठ्यक्रम में निर्धारित छः आलोचकों पर छः प्रश्न पूछे जायेंगे, तीन के उत्तर अपेक्षित है।

---

**प्रश्नपत्र क्र 8**

**(ख) शैली विज्ञान -**

1) प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न को 20 अंक होंगे ।
2) इस प्रश्नपत्र में कुल नौ प्रश्न पूछे जायेंगे, पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है। पाठ्यक्रम में निर्धारित साहित्यकारों की रचनाओं का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन पर दो प्रश्न पूछना आवश्यक है।

---

**प्रश्नपत्र क्र.8**

**(ग) अनुवाद विज्ञान :**

1) प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न को 20 अंक होंगे।
2) इस प्रश्नपत्र में अ तथा आ दो विभाग होंगे। दोनों के उत्तर एक ही उत्तर पत्रिका में लिखने हैं।
3) विभाग 'अ' में निर्धारित पाठ्यक्रम पर आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, चार के उत्तर अपेक्षित है।
4) विभाग 'आ' मे एक प्रश्न होगा। मराठी अथवा अंग्रेजी के परिच्छेद का हिंदी मे अनुवाद करना होगा। लगभग 150 शब्दों का वैचारिक परिच्छेद होना चाहिए।

---

**प्रश्नपत्र क्र. 8**

**(घ) राजभाषा प्रशिक्षण :**

| | | |
|---|---|---|
| प्रश्न 1 | अ) भाषा और प्रशासन व्यवस्था से संबंधित (विकल्प में) | 10 |
| | आ) अधिनियम या अनुच्छेदों का परिचय (विकल्प में) | 10 |
| प्रश्न 2 | अ) हिन्दी प्रचार की किसी संस्था का परिचय ( विकल्प में) | 10 |
| | आ) देवनागरी लिपि से संबंधित (विकल्प में) | 10 |
| प्रश्न 3 | अ) सरकारी पत्राचार अथवा टिप्पण लेखन से संबंधित | 10 |
| | आ) पारिभाषिक शब्दावली | 10 |
| प्रश्न 4 | अ) हिन्दी कम्प्यूटीकरण से संबंधित विकल्प में प्रश्न | 10 |
| | आ) बैंक, बीमा, व्यापार से संबंधित प्रश्न | 10 |
| प्रश्न 5 | अ) माध्यमो का परिचय / कोई एक माध्यम | 10 |
| | आ) भूमंडलीकरण और हिंदी से संबंधित विकल्प में प्रश्न | 10 |

**प्रश्नपत्र क्र. 8**

**(च) प्रयोजन मूलक हिंदी**

प्रश्न 1 अ) हिंदी के विभिन्न रूप पर अंतर्गत विकल्प में 10

आ) राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य पर अंतर्गत विकल्प में 10

प्रश्न 2 अ) देवनागरी लिपि पर अंतर्गत विकल्प में 10

आ) कम्प्यूटर से संबंधित अंतर्गत विकल्प में 10

प्रश्न 3 पत्रलेखन - कार्यालयीन पत्र / व्यापारिक पत्र / आवेदन पत्र
चार में से दो पत्र लिखने होंगे। 10

प्रश्न 4 अ) अनुवाद से संबंधित प्रश्न अथवा अनुवाद कार्य संबंधित प्रश्न। 10

आ) पारिभाषिक शब्दावली - 10 पारिभाषिक शब्द पूछे जाएंगे 10

प्रश्न 5 अ) पत्रकारिता ( निर्दिष्ट विषय पर अथवा पत्रकारिता पर सैद्धांतिक) 10

आ) जनसंचार माध्यम से संबंधित अंतर्गत विकल्प में। 10

---

**प्रश्नपत्र क्र. 8**

**(छ) लोक साहित्य**

1) प्रश्नपत्र 100 अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न को 20 अंक होंगे।
2) निर्धारित पाठ्यक्रम पर कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे, पाँच प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

---